दैनिक भास्कर Presents

PRIDE OF CENTRAL INDIA 2022

संजीव साहू

मैनेजिंग डायरेक्टर, गोविंद फूड्स इंडिया प्राइवेट लि., दतिया

20 लाख के टर्नओवर वाली कंपनी को 25 करोड़ रूपए तक पहुंचाया

टेलीकॉम की जॉब छोड़कर पिता के व्यवसाय से जुड़े, परिवार के साथ-साथ 150 लोगों को अपने साथ जोड़ा और आत्मनिर्भर बनाया

सक्सेस ऑफ लाइफ का एक फॉर्मूला यह बताता है कि जिंदगी कितनी बड़ी होगी, ये वो साल नहीं बताते जिन्हें हम जीते हैं, बल्कि हमारे वो काम बताते हैं, जिन्हें हम अंजाम देते हैं। उम्र छोटी हो या बड़ी, बुलंद इरादे हमेशा हमें औरों से आगे बनाए रखते हैं। सफलता की इसी राह में अग्रिम पंक्ति में खड़े दिखाई देते हैं, गोविंद फूड्स इंडिया प्रा. लि. के एमडी श्री संजीव साहू जी। संजीव फिलहाल अपनी उम्र के 38वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। लेकिन उन्होंने सफलता का जो मुकाम हासिल किया है, वह कई पुश्तें मिलकर भी नहीं कर पातीं। संजीव के पिता कालका प्रसाद साहू जी सीधी सादी जिंदगी जीने वाले जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं। बावजूद इसके उन्हें इस बात का हमेशा भान रहा कि वे अपनी मेहनत और काबिलियत को खुद के लिए ही इस्तेमाल करेंगे, उसे किसी और के लिए नौकरी करके गवाएंगे नहीं। पिता की यही सोच संजीव जी की कार्यशैली और सोच में भी झलकती है। इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्यूनिशन में बीई करने के बाद आपने नोएडा से सीडेक भी किया है। बावजूद इसके वे शुरू से ही खुद के लिए और अपने परिवार के लिए एक बिजनेस एंपायर खड़ा करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने अपने पिता के व्यवसाय को ही चुना और उसे ऊंचाईयों तक पहुंचाया।

युवाओं को खुद पर भरोसा करना सीखना होगा

संजीव खुद एक युवा हैं और वह युवाओं की तरक्की को लेकर बेहद आशान्वित हैं। उनका कहना है कि हमें नौकरी और व्यवसाय के फर्क को समझना होगा। मेरे सभी दोस्त जॉब करते हैं, लेकिन वे इसे सिर्फ खुद के लिए करते हैं। लेकिन जब हम बिजनेस करते हैं तो हम अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी करते हैं। वर्तमान में हमारे यहां 150 कर्मचारी काम करते हैं। सभी रिश्तेदारों को किसी न किसी तरह से इस बिजनेस से जोड़ रखा है, जिससे उनका भी भविष्य बेहतर हुआ है। मेरा मानना है कि युवाओं को खुद पर भरोसा करना सीखना होगा। नौकरी से ज्यादा व्यवसाय को तवज्जो देनी चाहिए। बिजनेस के दौरान समाज से जुड़ने का मौका मिलता है, जो कि जॉब के दौरान नहीं मिल पाता।

परिवार को बनाया ताकत, समाज के लिए समर्पित

संजीव साहू का मानना है कि वह जो बिजनेस कर रहे हैं, वह सिर्फ स्वयं के लिए नहीं है, बल्कि उन्होंने अपने सभी रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों को भी किसी न किसी रूप से इस बिजनेस से जोड़ा हुआ है। 38 वर्षीय संजीव शादी-शुदा हैं और दो बच्चियों के पिता हैं। उनका मानना है कि अगर परिवार में एक व्यक्ति भी किसी सही राह पर चलकर सफल होता है तो वह पूरे परिवार के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकता है। संजीव परिवार के साथ-साथ समाज के लिए भी उतने ही समर्पित रहते हैं। वे दतिया में होने वाले सभी सामूहिक विवाह आयोजनों में अपनी तरफ से हर संभव मदद करते हैं। अन्नदान हो या फिर बाढ़ पीड़ितों की मदद सभी में उनका योगदान रहता है।

देसी बिजनेस में लगाया मसालों का तड़का

संजीव साहू के पिता दतिया में मसालों का कारोबार करते थे। वह विशुद्ध रूप से देसी मसाले बनाते थे, जिसमें हल्दी, धनिया और मिर्च शामिल थे। वर्ष 2005-06 में उन्होंने इसे गोविंद ब्रांड से रजिस्टर्ड भी कराया। वर्ष 2010 में जब संजीव अपने शहर दतिया लौटे तब उन्होंने पाया कि मसालों के इस व्यवसाय को बेहतर तरीके से बड़े स्वरूप में किया जा सकता है। उस समय उनका मुख्य उद्देश्य यह था कि वह पिता के शुरू किए गए एक प्रयास को भव्य और सफल रूप दे सकें। पिता के मार्गदर्शन में उन्होंने इस व्यवसाय से जुड़ी हर बारीकी सीखी और उसमें आधुनिक प्रयोगों को भी जोड़ा। देखते ही देखते उनका व्यवसाय दूर-दूर तक फैल गया। जब पुश्तैनी जगह कम पड़ने लगी, तब वर्ष 2013 में उन्होंने अपने ब्रांड को बड़ा बनाते हुए गोविंद फूड्स इंडिया प्रा. लि. नाम से कंपनी रजिस्टर्ड कराई। बैंक से लोन लिया और कंपनी के लिए अलग से जगह खरीदी। पिता जो सिर्फ तीन तरह के मसाले बना रहे थे, आज संजीव साहू की देखरेख में यह बिजनेस 108 तरह के मसालों तक पहुंच चुका है। जो टर्न ओवर पिता के समय करीब 20 लाख रुपए सालाना था, वह आज 25 करोड़ रुपए से ऊपर तक पहुंच चुका है।

अभिनेत्री श्वेता तिवारी बनीं ब्रांड एम्बेसडर

संजीव साहू जी ने अपने बिजनेस के साथ बॉलीवुड का तड़का भी लगाया हुआ है। उन्होने अभिनेत्री श्वेता तिवारी को अपनी कंपनी के ब्रांड एम्बेसडर के तौर पर भी नियुक्त किया है। उनका कहना है कि श्वेता उत्तर भारत का एक जाना-माना नाम हैं और घर-घर में उनकी पहचान बनी हुई है। ऐसे में श्वेता तिवारी का हमारे साथ आना प्रोडक्ट के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा।